

राजस्थान का अपवाह तंत्र

→ राजस्थान की नदियां :-

→ जल विभाजक रेखा (अरावली पर्वतमाला) राजस्थान के अपवाह कर्म को दो भागों में विभाजित करती है।

- ① अरब सागरीय अपवाह कर्म
- ② गंगा की खाड़ी अपवाह कर्म



→ नदियों के उवाह के अनुसार राज्य के अपवाह कम को तीन भागों में विभाजित किया जाता है।

① आन्तरिक उवाह कम : → (60.2% क्षेत्र)

↳ वे नदियाँ जो स्थलीय क्षेत्र में विलुप्त हो जाती हैं।

② अरब सागरीय उवाह कम : → (17.4% क्षेत्र)

↳ वे नदियाँ जो कच्छ की खाड़ी व अम्बाल की खाड़ी से अरब सागर में...

③ बंगाल की खाड़ी उवाह कम (22.4% क्षेत्र)

↳ वे नदियाँ जो भद्रना नदी के माध्यम से बंगाल खाड़ी में गिरती हैं।



→ सप्तविंश नादियों वाला संग्रह → ओहा

→ -प्रचलित नदियों वाला संभाग - वीकानेर

→ सर्वाधिक नदियों वाला जिला → बहलीह → चित्तौड़गढ़
 ↳ उदगम के अनुसार - उदयपुर

૬. ઉદગમનને અનુસાર - ઉદપત્ર

→ सबसे कम नदियों वाले जिले (कोई नदी नहीं) → बीकानेर

② पुरु

③ स्तंभ

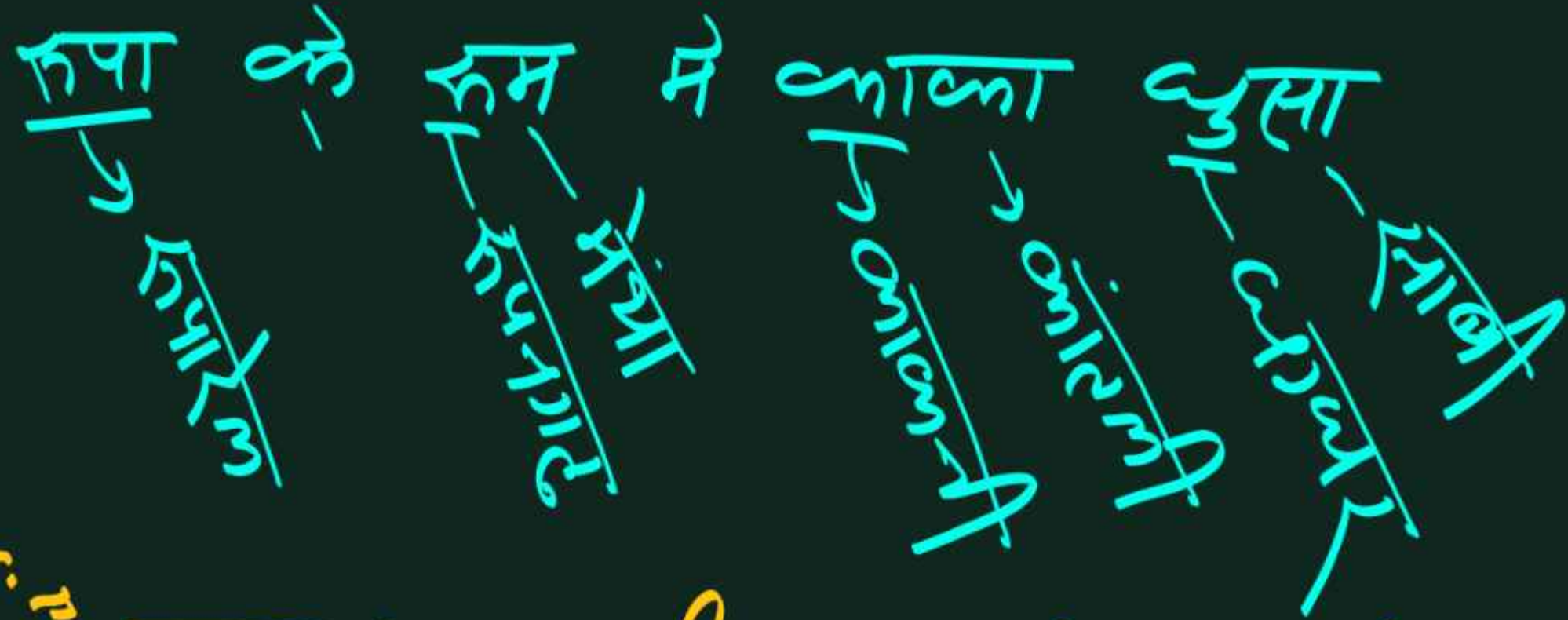
④ फालोदी

→ कारह मासी नदी (वर्ष भर बहने वाली नदी) → **फाल्गुनी**
→ अध्यासोपित नदी → पंचाल, मगधी

→ अध्यारोपित नदी → पंचाल, वनास

① आन्तरिक प्रवाह क्रम : →

नदियां →



① जगधर नदी : = उपनाम → गाली, सरस्वती, दधती, नट नदी, मृत नदी
सोतर, नदीतमा, राजस्थान का शोक
पंजाब में इसे चितंग कहते हैं।

पहाव
दहका/दहका
स्थलीय क्षेत्र
मे, विरुद्ध
दोहोर्ट अवस्था
जाप्लिल्लान

विजो (अप्रगत)

विंदो
राज्य मे अतिम

दुर्गोर्ट दुर्ग (अम)

दोडलगत दुर्ग

दोडलगत दुर्ग
आली बंगाल सभल

असने दुर्ग

दोडलगत सील

आमका शिवालिक
हिमाचल प्रदेश
पजाव - चिलांग
हरियाणा
वनवाली सभल (दिसा)
आहू बाँध (सिरा)
दोडलगत गाँव (T.D) H.M.H
राज्य मे पुवरा

उद्गम → जालका / शिवालिक (हिमाचल प्रदेश)

कुल ल. → 565 किलोमीटर (राजस्थान में लंबाई - 100 किलोमीटर)

→ आन्तरिक खाद की सबसे लम्बी नदी

→ एक मात्र नदी जो राज्य में उत्तर दिशा से प्रवेश करती है

→ राजस्थान की एक मात्र अन्तरद्वीप नदी /

→ यह नदी हिमाचल, पंजाब, हरियाणा में बहते हुए

तलवाड़ा गाँव (T.B तहसील) हनुमानगढ़ जिले से राजस्थान में प्रवेश करती है

→ राजस्थान के हनुमानगढ़ व भी गंगानगर जिलों में बहते हुए

पाकिस्तान में पेशावर और फोर्ट अब्बास (कसवलपुर) में स्थलीय क्षेत्र में विकसित हो जाती है।

- पाकिस्तान में इसके कक्ष को हजारा/हाजारा कहते हैं।
- राजस्थान में आन्तिम बिंदु → विन्जौर (अनुपगढ़) है।
- हनुमानगढ़ → तलवाड़ा झील, भरनेर दुर्ग, जालीबंगा सम्रता, रंगमहल सम्रता

→ श्री गंगानगर → सोडलगढ़ दुर्ग (सुरगढ़)
पुष्कर दुर्ग (अनुपगढ़)

→ સામાન્ય વર્ષા બે સપ્ત પાની મહનેર હુર્ગિ તજ્જ પહેંચતા હૈં અબિલ
વર્ષા બે સપ્ત પાની પાખિસ્તાન તજ્જ જાતા હૈં